



लायंस इंटरनेशनल संस्थापक का जन्मदिन गयीबों के बीच मनाया



गढ़वा(प्रभात मंत्र संघादाता): लायंस क्लब ऑफ गढ़वा विशाल ने लायंस इंटरनेशनल संस्थापक मेलिंवन जॉन्स का जन्मदिन धुमधाम से मनाया। क्लब अध्यक्ष ला डॉ कमलेश कुमार कि अध्यक्षता में लायंस विशाल कायालय गढ़वा में शनिवार रात मेलिंवन जॉन्स के जन्मदिवस पर जरूरतमंदों के बीच ढेर सारे काम्बल का वितरण किया गया। उक्ते बाद क्लब अध्यक्ष ला ०५ डॉ कमलेश कुमार के साथ सभी लायंस विशाल परिवार के काटकर एक दुसरे को खिलाकर मनाया। जन्मदिन के दुरुस दिन रविवार को क्लब के कायालय में गोत लिये हुए दस टीवी में बीच पुड़ फौर हंगर के तहत सभी मरीजों को खिलाकर आहार दिया गया। उहें अपने और अपने परिवार को कैसे टीवी रोंगे से बचाये। इसकी जानकारी क्लब के डॉक्टरों के द्वारा दिया गया। लायंस विशाल के अध्यक्ष ने बताया कि मेलिंवन जॉन्स साहब ने सैकड़ों साल पहले उच्ची सोच और जज्ञा के साथ लायंस इंटरनेशनल कि स्थापना किया था। आज सेवा के क्षेत्र में पुरे विश्व में लायंस क्लब का परामर्शदाता है। उनकी नेक सोच और उनकी नेक इशारे को हम सब सलाम करते हैं। और उनके बातों हैं। मार्गदर्शन पर चलकर मनवाता कि सेवा में समर्पित रहेंगे। वैसे भी हमारा क्लब 1986 से लायार सेवा में समर्पित है, इस कार्यक्रम में लायंस विशाल के बहुत सारे पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित थे।

राष्ट्रीय हिंदू सेना ने संगठन विस्तार का कार्य तेजी से शुरू किया



चैनपुर(पलामू)(प्रभात मंत्र संघादाता): चैनपुर प्रखण्ड अंतर्गत हनुमान मंदिर के प्रांगण में अखण्ड राष्ट्रीय हिंदू सेना की बैठक हुई जिसकी अध्यक्षता जिला अध्यक्ष रंजन वर्मा ने की। सभा की संचालन नार उपाध्यक्ष निरेश कमलापुरी ने की। इस बैठक में वार्ड नं 34 एवं 35 गठन की गई। वार्ड नं 34 की अध्यक्ष आकाश कुमार उपाध्यक्ष अशीष युम को बनाया गया। बैठक में नवीन दातिल की घोषणा उपाध्यक्ष ने की साथही कहा संगठन का विस्तार पूरे जारी से किया जा रहा है। हमारा लक्ष्य पूरे गांवों में संस्थान का गठन करना है। साथ ही उहोंने ने सभी से कहा 22 जनवरी के कार्यक्रम में सभी को अमर्तित किया। इस बैठक में मुख्य रूप से संदीप कुदास विवेक चौबी संजय प्रजापति, वाणु कुमार, सोनू विकाश अधिष्ठक कुमार, सामर कुमार, अध्यक्ष कुमार, सूरज, कृष्ण इत्यादि लोग उपस्थित हुए।

सरेया पंचायत की मुखिया के सास का निधन



हरिहरसंग(प्रभात मंत्र संघादाता): पिपरा प्रखण्ड के सरेया पंचायत की मुखिया प्रियंका तिवारी के साथ प्रपा देवी 65 वर्ष के निधन कि सुन्ना मिलने के बाद हैन्सेनाबाद हरिहरसंग विवासभा बैठक के विधायक सह राजकांप के प्रदेश अध्यक्ष कमलेश कुमार मृतक के परिजनों से लालहार आवास पर मिलकर गहरी शोक संवेदन व्यक्त किया है। मुखिया प्रियंका तिवारी ने बताया कि 15 जनवरी को लालहार आवास पर ब्रह्मप्रभोज कार्यक्रम है। सरेया पंचायत के लोगों को मां के ब्रह्मप्रभोज में आगे का आग्रह किया है। रख प्रपा देवी पिछले कुछ समय से बीमार चल रही थी। जमुहर अस्पताल में इलाज के दौरान हो गई थी। जमुहर की प्रभावी परिवार छोड़ गए।

वार्ड पार्षद ने चुड़ा-गुड़ व तिलकूट का किया वितरण

विश्रामपुर(पलामू)(प्रभात मंत्र संघादाता): विश्रामपुर नगर परिषद अंतर्गत वार्ड 18 के निवारक पार्षद संघर्ष संघर्ष के बाद निवारक वितरण का वितरण नहीं किया गया। इसपर बस स्टेंड पर पार्षद संजय वैदा ने स्टॉल लगाकर टेपों चालकों के स्थानीय लोगों के बीच चुड़ा-गुड़ बाटा। श्री बैठा ने सभी को मकर संक्रान्ति की शुभ कामना भी दी। उहोंने कहा कि जो लोग अधार के चलते मकर संक्रान्ति नहीं मना पा रहे थे, उहें अपनी ओर से चुड़ा-गुड़ व तिलकूट दिया ताकि अभावग्रस्त लोगों के घर में भी पर्व मन सके। मैंके पर कई लोग मौजूद थे।

गणतंत्र दिवस की तैयारी को लेकर एसडीओ की अध्यक्षता में गण्यमान्य लोगों की बैठक सम्पन्न



मैं उपस्थित लोगों को जिम्मेदारी सौंपी गई। बैठक में एलआरडीसी मैं अब्दुस शमद, कार्यपालक दंडाधिकारी हमें हेन्ड्रोम, नगर पंचायत के विधायक अमेन्द्र चौधरी, प्रखण्ड बीम सूरी अध्यक्ष शैलेश चौबी, शिशा विभाग के बीपीओ तहमीना परवीन, डॉ कैसर आलम, चेम्बर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष शम्भूनाथ सौदामार, सचिव गोपाल प्रसाद, अनुमंडलीय पेंसन समाज के अध्यक्ष गदाधर पांडेय, शिवनारायण चौबी, ओमप्रकाश चौबी उर्फ दिल्, सत्यप्रकाश पांडेय उर्फ मटू पांडेय, अधिवक्ता दिनेश शुक्ल, शिक्षक अनिल कुमार विश्वकर्मा, कमलेश उपस्थित विद्यालयों के खेल शिक्षक पदाधिकारी जिकास कुमार सहित अन्य उपस्थित थे।

प्रभात मंत्र संघादाता

विश्रामपुर(पलामू): विश्रामपुर नगर परिषद में रविवार को भारत संकल्प यात्रा का शुरूआत किया गया। इस अवसर पर विश्रामपुर थाना चौक और रेहला महालीर चौक पर कार्यक्रम भी आयोजित किया गया। जिसमें बैठक बैठक तथा रामचंद्र चंद्रवंशी शामिल हुए। चंद्रवंशी ने कहा कि मैंके सरकार के आगुआई में देश विकास की राह पर तेज गति से अग्रसर है। वर्ष 2047 तक भारत पूर्ण विकसित और आत्मनिर्भर देश बन जायेगा। इस विजय को साकार करने में आम लोग भी मैंके सरकार का सहयोग करेंगे। श्री चंद्रवंशी ने कार्यक्रम में आगुआई में गोत लिये हुए दस टीवी के बीच पुड़ फौर हंगर के तहत सभी मरीजों को खिलाकर आहार दिया गया। उहें अपने और अपने परिवार को कैसे टीवी रोंगे से बचाये। इसकी जानकारी क्लब के डॉक्टरों के द्वारा दिया गया। लायंस विशाल के अध्यक्ष ने बताया कि मेलिंवन जॉन्स साहब ने सैकड़ों साल पहले उच्ची सोच और जज्ञा के साथ लायंस इंटरनेशनल कि स्थापना किया था। आज सेवा के क्षेत्र में पुरे विश्व में लायंस क्लब का परामर्शदाता है। उनकी नेक सोच और उनकी नेक इशारे को हम सब सलाम करते हैं। और उनके बातों हैं। अपने विवेक को खिलाकर मनाया। जन्मदिन के दुरुस दिन रविवार को क्लब के कायालय में गोत लिये हुए दस टीवी के बीच पुड़ फौर हंगर हंगर के तहत सभी मरीजों को खिलाकर आहार दिया गया। उहें अपने और अपने परिवार को कैसे टीवी रोंगे से बचाये। इसकी जानकारी क्लब के डॉक्टरों के द्वारा दिया गया। लायंस विशाल के अध्यक्ष ने बताया कि मेलिंवन जॉन्स के अध्यक्षता में लायंस विशाल के अध्यक्ष ला डॉ कमलेश कुमार कि अध्यक्षता में लायंस विशाल कायालय गढ़वा में शनिवार रात मेलिंवन जॉन्स के जन्मदिवस पर जरूरतमंदों के बीच ढेर सारे काम्बल का वितरण किया गया। उक्ते बाद क्लब अध्यक्ष ला ०५ डॉ कमलेश कुमार के साथ सभी लायंस विशाल परिवार के काटकर एक दुसरे को खिलाकर मनाया। जन्मदिन के दुरुस दिन रविवार को क्लब के कायालय में गोत लिये हुए दस टीवी के बीच पुड़ फौर हंगर हंगर के तहत सभी मरीजों को खिलाकर आहार दिया गया। उहें अपने और अपने परिवार को कैसे टीवी रोंगे से बचाये। इसकी जानकारी क्लब के डॉक्टरों के द्वारा दिया गया। लायंस विशाल के अध्यक्ष ने बताया कि मेलिंवन जॉन्स के अध्यक्षता में लायंस विशाल के अध्यक्ष ला डॉ कमलेश कुमार कि अध्यक्षता में लायंस विशाल कायालय गढ़वा में शनिवार रात मेलिंवन जॉन्स के जन्मदिवस पर जरूरतमंदों के बीच ढेर सारे काम्बल का वितरण किया गया। उक्ते बाद क्लब अध्यक्ष ला ०५ कमलेश कुमार के साथ सभी लायंस विशाल परिवार के काटकर एक दुसरे को खिलाकर मनाया। जन्मदिन के दुरुस दिन रविवार को क्लब के कायालय में गोत लिये हुए दस टीवी के बीच पुड़ फौर हंगर हंगर के तहत सभी मरीजों को खिलाकर आहार दिया गया। उहें अपने और अपने परिवार को कैसे टीवी रोंगे से बचाये। इसकी जानकारी क्लब के डॉक्टरों के द्वारा दिया गया। लायंस विशाल के अध्यक्ष ने बताया कि मेलिंवन जॉन्स के अध्यक्षता में लायंस विशाल के अध्यक्ष ला डॉ कमलेश कुमार कि अध्यक्षता में लायंस विशाल कायालय गढ़वा में शनिवार रात मेलिंवन जॉन्स के जन्मदिवस पर जरूरतमंदों के बीच ढेर सारे काम्बल का वितरण किया गया। उक्ते बाद क्लब अध्यक्ष ला ०५ कमलेश कुमार के साथ सभी लायंस विशाल परिवार के काटकर एक दुसरे को खिलाकर मनाया। जन्मदिन के दुरुस दिन रविवार को क्लब के कायालय में गोत लिये हुए दस टीवी के बीच पुड़ फौर हंगर हंगर के तहत सभी मरीजों को खिलाकर आहार दिया गया। उहें अपने और अपने परिवार को कैसे टीवी रोंगे से बचाये। इसकी जानकारी क्लब के डॉक्टरों के द्वारा दिया गया। लायंस विशाल के अध्यक्ष ने बताया कि मेलिंवन जॉन्स के अध्यक्षता में लायंस विशाल के अध्यक्ष ला डॉ कमलेश कुमार कि अध्यक्षता में लायंस विशाल कायालय गढ़वा में शनिवार रात मेलिंवन जॉन्स के जन्मदिवस पर जरूरतमंदों के बीच ढेर सारे काम्बल का वितरण किया गया। उक्ते बाद क्लब अध्यक्ष ला ०५ कमलेश कुमार के साथ सभी लायंस विशाल परिवार के काटकर एक दुसरे को खिलाकर मनाया। जन्मदिन के दुरुस दिन रविवार को क्लब के कायालय में गोत लिये हुए दस टीवी के बीच पुड़ फौर हंगर हंगर के तहत सभी मरीजों को खिलाकर आहार दिया गया। उहें अपने और अपने परिवार को कैसे टीवी रोंगे से बचाये। इसकी जानकारी क्लब के डॉक्टरों के द्वारा दिया गया। लायंस विशाल के अध्यक्ष ने बताया कि मेलिंवन जॉन्स के अध्यक्षता में लायंस विशाल के अध्यक्ष ला डॉ कमलेश कुमार कि अध्यक्षता में लायंस विशाल कायालय गढ़वा में शनिवार रात मेलिंवन जॉन्स के जन्मदिवस पर जरूरतमंदों के बीच ढेर सारे काम्बल का वितरण किया गया। उक्ते बाद क्लब अध्यक्ष

भारत जोड़ो न्याय यात्रा पर निकले राहुल

कानून नता राहल गाधा का मारत आज याद याक्का हुल्ला गद्दा। राहल

गांधी के नेतृत्व में ये यात्रा इंकाल के निकट थोबल से शुरू हुआ। इससे पहले उन्होंने खोंगजोम युद्ध स्मारक पर शहीदों को श्रद्धांजलि दी। राहुल गांधी की भारत जोड़े न्याय यात्रा को कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मलिकार्जुन खरणे ने हरी झंडी दिखाई। बीएसपी के निष्कासित लोकसभा सदस्य दानिश अली भी राहुल गांधी की यात्रा में शामिल हुए। यात्रा की शुरूआत के मौके पर राहुल गांधी ने वहां पर लोगों को संबोधित किया, उन्होंने मणिपुर का दौरा नहीं करने के लिए पीएम नंदें मोदी पर निशाना साथा। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा कि भारत जोड़े न्याय यात्रा हाइब्रिड है। इसमें हम पैदल चलेंगे और बस से भी चलेंगे। राहुल गांधी ने कहा कि हम ज्यादा मन की बात नहीं करना चाहते हैं। हम आपकी बात सुनना चाहते हैं। राहुल गांधी ने कहा हम मणिपुर में शांति कायम करेंगे। इस दौरान कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मलिकार्जुन खरणे ने कहा, जब पैदल नेहरू पहली बार मणिपुर आए थे, तब उन्होंने इसे भारत का गहना बताया था। यदी बात दूरी गांधी और राजीव गांधी ने भी कही थी। यह मणिपुर की बह भूमि है जो आजादी के लिए लड़ी। पीएम मोदी मणिपुर बोट के लिए आते हैं, लेकिन जब मणिपुर के लोग मुसीबत में हैं तब वे नहीं आते। वे राम-राम करते हैं। मुंह में राम और बगल में छुरी, यह वे जनता के साथ ना करें, बोट के लिए ये सब ढोंगबाजी नहीं करनी चाहिए। पीएम मोदी बोट मांगने के लिए मणिपुर आते हैं, लेकिन जब मणिपुर के लोग मुसीबत में होते हैं तो वह अपना चेहरा नहीं दिखाते हैं। वे समुद्र के ऊपर सैर करते फिरते हैं और बैठे जगह जप करते रहते हैं राम राम। भावाना में सबकी आस्था है, लेकिन बोट के लिए धर्म का मिश्रण करते हैं। मलिकार्जुन खरणे ने प्रधानमंत्री नंदें मोदी पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी राम, राम का जाप करते रहते हैं, लेकिन उन्हें बोट मांगने के लिए ऐसा नहीं करना चाहिए। उन्होंने कहा, बीजेपी धर्म को राजनीति से जोड़ती है, लोगों को भड़काती है, हम धर्मनिरपेक्षता, समानता, सामाजिक न्याय के लिए लड़ते हैं। राहुल गांधी आपका दर्द बांटने, आपकी समस्याओं पर बात करने के लिए मणिपुर आए हैं। लोगों के लिए रोजारा सुनिश्चित करने के लिए इंकाल कांग्रेस न्याय यात्रा निकाल रही है, यह महांगई के खिलाफ और किसानों के अधिकारों के लिए है। संविधान, लोकतंत्र को बचाने और फासीवादी ताकतों को रोकने के लिए भारत जोड़े न्याय यात्रा निकाली। यह यात्रा 20 मार्च को मुंबई में समाप्त होगी। 66 दिनों तक चलने वाली ये भारत जोड़े न्याय यात्रा देश के 15 राज्यों से होकर गुजरेगी। ये यात्रा पैदल और बस के जरिए की जाएगी। इस दौरान राहुल गांधी जगह-जगह रुककर स्थानीय लोगों से संवाद करेंगे और जनसभाओं को संबोधित करेंगे। खोंगजोम युद्ध स्मारक एक ऐतिहासिक स्मारक है, जिसका उद्घाटन 2016 में भारत के तत्कालीन राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी ने कांग्रेस सरकार के दौरान किया था। यह 1891 में हुए आखिरी एंलो-मणिपुर युद्ध के शहीदों की याद में बनाया गया है। यात्रा के दौरान इडिया गढ़वाल धर्मांगन के तमाम नेताओं के शामिल होने की भी संभावना है। कांग्रेस अध्यक्ष मलिकार्जुन खड़ो ने सभी विपक्षी पार्टियों के अध्यक्षों को यात्रा में शामिल होने का न्योता भेजा है। इसके अलावा कई और हस्तियां भी इस यात्रा में शामिल होंगी। राहुल गांधी के नेतृत्व में भारत जोड़े न्याय यात्रा देश के 15 राज्यों से होकर गुजरेगी। यह यात्रा 110 जिलों, 100 लोकसभा सीटों और 337 विधानसभा सीटों को कवर करेगी। इस दौरान ये यात्रा 6713 किलोमीटर लंबा दायरा कवर करेगी। ये यात्रा मणिपुर, नागालैंड, असम, मेघालय, अस्सी, राजस्थान, गुजरात से होते हुए महाराष्ट्र के मुंबई पहुंचेगी। यहां यात्रा का समापन होगा। यात्रा से एक दिन पहले शनिवार को प्रेस कांफ्रेंस करते हुए कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि यह यात्रा एक वैचारिक लड़ाई है। जिसे कांग्रेस ने धर्वीकरण की राजनीति और सामाजिक, अर्थिक और राजनीतिक अन्याय के खिलाफ शुरू किया है। यह चुनावी यात्रा नहीं एक राजनीतिक दल की वैचारिक यात्रा है। भारत जोड़े यात्रा नफरत और हिंसा की राजनीति के खिलाफ देश भर में प्यार और सद्भाव की मांग के लिए थी। अब न्याय यात्रा देश के लोगों के लिए न्याय की मांग के लिए है। जयराम रमेश ने बताया कि यात्रा के दौरान राहुल गांधी हर दिन दो जनसभाओं को संबोधित करेंगे। इसके अलावा, वह हर दिन समाज के विभिन्न वर्गों से 20 से 25 लोगों से मिलेंगे। वह नागरिक समाज गूप्त के साथ भी बातचीत करेंगे। अगले 11 दिनों के दौरान यात्रा देश के पांच उत्तर पूर्वी राज्यों में रहेगी। 23 जनवरी को राहुल गांधी घोषणापत्र के सिलसिले में गुवाहाटी में लोगों से जनसंवाद करेंगे। बता दें कि भारत जोड़े यात्रा का पहला चरण 7 सितंबर, 2022 को तमिलनाडु के कन्याकुमारी से शुरू हुआ था और जनवरी 2023 में श्रीनगर, जम्मू और कश्मीर में समाप्त हुआ था। इस दौरान राहुल गांधी ने लगभग 4,080 किलोमीटर की दूरी तय की थी। यह रैली 126 दिनों में 12 राज्यों के 75 जिलों से होकर गुजरी। ये अब तक भारत की सबसे लंबी पदयात्रा है। राहुल गांधी ने भारत जोड़े यात्रा के खत्म होने के बाद कई बार अपने अनुभव साझा किए थे।

क्रृष्ण **अलग**

कर्जखोर अब चांद की 3

वे करते धरते कुछ नहीं, पर उनके पास किसी से दो पल चैन से बात करने का कभी वक्त नहीं होता। आज भी नहीं था। खड़े खड़े ही पांव आगे पीछे करते उन्होंने मुझसे गंभीर हो पूछा, 'यार! चांद पर प्लॉट लेना था। ये धरती तो अब रहने लायक रही नहीं। जहां देखो सच्चाई के नाम पर प्रहसन! दिन के उजाले में भी कुछ भी साफ नहीं। जिसे मां समझो वह मां नहीं, जिसे बाप समझो वह बाप नहीं। जहां देखो वहीं मंथन के नाम पर मर्दन। स्वच्छता के नाम पर इधर कुड़ा, उधर कचरा। वैल तक बन रहा है बल का बकरा। सच कहूँ तो इस धरती पर अब नाक बंद कर, नाक बचा बचा कर जीना पड़ रहा है। कहां से रजस्ट्री होगी? आजकल वहां पर स्कैप्यर गज क्या चला होगा? दलाल तो अभी तक वहां कहां ही पहुंचे होंगे? किस ईमानदार पटवारी से बात की जाए कि वह वहां पर प्लॉट पूरा नापे? किस तहसीलदार के रेजिस्ट्री करवाई जाए कि वहां सीधी रजस्ट्री हो? 'वाह! क्या दिन आ गए? जिनके नाक ही नहीं बे भी इन दिनों नाक बचाने को लेकर अहा! कितने लेकर चिंतित हैं। उन्होंने मुझसे एक पर एक दिमाग हिला देने वाले सबलां दायगे तो उन पर हंसी आने के बदले मुझे अपने पर हंसी आई। गधे! कैसे कैसे दोस्त पाल रखे हैं तभी भी! ऐसे दोस्त तुझे और कहीं ले जाएं या नहीं, पर नरक में ज़रूर ले जाएंगे। बंदा भी कमाल का है। जिस कमरे में रहता है, उसके मालिक को बीस महीने से किराया नहीं दिया है। जिस राशन की दुकान से राशन लाता है, उसका उधार दस महीने से स्टैंड है। राशन की दुकान वाला उसके बदले अब मेरा रास्ता रोकने लगा है। गारंटर के साथ बुधा ऐसा ही होता है। और अब जनाब प्लॉट लेने की बात कर रहे हैं, वह भी चांद पर। पर मैं भी बिल्कुल तैयार था कि अबके बदे की कहीं गारंटी न दूंगा। जनाब की गारंटीयां देते देते अपनी घंटों बजने लगी हैं अब तो।

डा. वरिदर भाटिया

6

भारत के सबसे प्रामाणिक ग्रन्थों में से एक श्रीमद्भगवद् गीता को दुनिया भर के विभिन्न विश्वविद्यालयों में वैकल्पिक या नियमित पाठ्यक्रम के रूप में पढ़ाया जा रहा है। कई रस्कूलों, कॉलेजों और विश्वविद्यालयों ने गीता को अपने पाठ्यक्रम में शामिल किया है। भारत में शीर्ष रैंकिंग वाले पेशेवर संस्थान जैसे आईआईटी, आईआईएम और बिट्स-पिलानी कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय और विदेशों में ऑक्सफोर्ड, हार्वर्ड जैसे विश्वविद्यालय और सेटन हॉल सहित कई अन्य लोग मानविकी और सामाजिक विज्ञान में अन्य पाठ्यक्रमों के अलावा गीता पढ़ाते रहे हैं।

3

491

प्रवाणगंगा

खराब चल रहे रिश्टे को बड़ा झटका लगा है। सोशल मीडिया पर बॉयकॉट मालदीव ट्रेंड कर रहा है। मालदीव के विपक्ष नेताओं ने भी उन टिप्पणियों की जमकर आलोचना की है। हालांकि मालदीव सरकार नुकसान की भरपाई करने में जुर्गई है और टिप्पणी करने वाले मित्रियों भरियम शित्तुना, मालश शरीफ और मह जूम माजिद को निलंबित कर दिया है, लेकिन इससे इन्कार नहीं किया जा सकता कि मौजूदा मालदीव सरकार का स्वयं भारत विरोधी रहा है, जिसे चीन से समर्थन मिलता है। बीजिंग ने अभी मालदीव के 1,200 द्वीपों में 17 बप्टे पर लिया हुआ है, जो पूरे मालदीव में फैले हुए हैं और चीन की तीन सबसे बड़ी परियोजनाओं की लागत कुल मिलाकर 1.5 अरब डॉलर है, जो मालदीव की जीडीपी के 40 फीसदी ज्यादा है। मालदीव में चीन का निवेश 97 करोड़ डॉलर बापर कर गया है, जिसे चुकाना मालदीव जैसे गरीब देश क्षमता से बाहर है। फिर भी मौजूदा मुड़ज्जू सरकार भारत प्रभावको घटाने और चीन के प्रभाव को बढ़ाने को कोशिश कर रहा है। मालदीव में चीन के प्रभाव को कम करने के लिए भारत ने 50 करोड़ डॉलर की सबसे बड़ी नागरिक बुनियादी ढांचे परियोजना की घोषणा करने का ताकिंक कदम उठाया। जिसके तहत 6.7 किलोमीटर लंबा पुल और सड़क बनेगी, ज

۴۵

अलंका

करते धरते कछु नहीं पर उनके पास पर फेंकने से पहले एक बात का जरूर ध्या-

किसी से दो पल चैन से बात करने का कभी वक्त नहीं होता। आज भी नहीं था। खड़े खड़े ही पांव आगे पीछे करते उहोंने मुझसे गंभीर हो पूछा, 'यार ! चांद पर प्लॉट लेना था। ये धरती तो अब रहने लायक रही नहीं। जहां देखो सच्चाई के नाम पर प्रहसन ! दिन के उजाले में भी कुछ भी साफ नहीं। जिसे मां समझो वह मां नहीं, जिसे बाप समझो वह बाप नहीं। जहां देखो वहीं मंथन के नाम पर मर्दन। स्वच्छता के नाम पर इधर कूड़ा, उधर कचरा। बैल तक बन रहा है बलि का बकरा। सच कहूँ तो इस धरती पर अब नाक बंद कर, नाक बचा बचा कर जीना पड़ रहा है। कहां से रजिस्ट्री होगी ? आजकल वहां पर स्केवरयर गज क्या चला होगा ? दलाल तो अभी तक वहां कहां ही पहुँचे होंगे ? किस ईमानदार पटवारी से बात की जाए कि वह वहां पर स्लॉट पूरा नापे ? किस तहसीलदार के रजिस्ट्री करवाई जाए कि वहां सीधी रजिस्ट्री हो ?' वाह ! क्या दिन आ गए ? जिनके नाक ही नहीं वे भी इन दिनों नाक बचाने को लेकर अहा ! कितने लेकर चिंतित हैं। उहोंने मुझसे एक पर एक दिमाग हिला देने वाले सवाल दागे तो उन पर हँसी आने के बदले मुझे अपने पर हँसी आई। गधे ! कैसे कैसे दोस्त पाल रखे हैं तूने भी ! ऐसे दोस्त तुझे और कहीं ले जाएं या नहीं, पर नरक में जरूर ले जाएंगे। बंदा भी कमाल का है। जिस कमरे में रहता है, उसके मालिक को बीस महीने से किराया नहीं दिया है। जिस राशन की दुकान से राशन लाता है, उसका उधार दस महीने से स्टैंड है। राशन की दुकान वाला उसके बदले अब मेरा रास्ता रोकने लगा है। गारंटर के साथ बुधा ऐसा ही होता है। और अब जनावर प्लॉट लेने की बात कर रहे हैं, वह भी चांद पर। पर मैं भी बिल्कुल तैयार था कि अबके बदे की कहीं गारंटी न दुंगा। जनावर की गारंटीयां देते देते अपनी घटियां बजने लगी हैं अब तो।

उत्तर मारत का प्राचीनतम राम मादर जिस मूल गए राममवत में

आस्था का प्रतीक

नगरण करोड़ों सनातन धर्मविद्यों की आस्था का प्रतीक भव्यतम्मंदिर के रूप में आकर ले चुका है और अब दर्शनार्थी द्वारा खुलने के लिए 22 जनवरी की प्रतीक्षा की जा रही है। लेकिन करोड़ों धर्मवलम्बियों में से शायद कुछ ही को पता होगा कि अयोध्या के अलावा उत्तर भारत का पहला और प्राचीनतम राम मंदिर उत्तराखण्ड के टिहरीजिले के देवप्रयाग में है। भारत की सबसे पवित्र नदी गंगा के उद्गम पर बना यह रघुनाथ मंदिर जम्मू के डोगरा शासकों द्वारा निर्मित रघुनाथ मंदिर से भी कई सदियों पुराना है। यह ऐसा मंदिर है जिसका उल्लेख न केवल पुराणों और चीनी यात्री ह्वेंसाङ के यात्रा वृत्तांत में है बल्कि इसका प्रमाणिक इतिहास मंदिर परिसर के शिलालेखों और गढ़वाल राज्य के प्राचीन पंचांग शासकों के कई सदियों पुराने ताप्र पत्रों में भी दर्ज है। इटी एट्किसन ने तो हिमालयन गजेटियर में अल्मोड़ा में भी रामचन्द्र मंदिर का उल्लेख किया है। लेकिन बिडब्बना यह कि पौराणिक काल के इन राम मंदिरों का नामलेवा भी देवप्रयाग वासियों के अलावा कोई नहीं मिलता है।

रघुनाथ मंदिर से ही निलती है पतित पावनी गंगा

अयोध्या के अलावा उत्तर भारत का पहला और प्राचीनतम राम मंदिर उत्तराखण्ड के टिहरी जिले के देवप्रयाग में है। भारत की सबसे पवित्र नदी गंगा के उद्गम पर बना यह रुधुनाथ मंदिर जम्मू के डोगरा शासकों द्वारा निर्मित रुधुनाथ मंदिर से भी कई सदियों पुराना है। यह ऐसा मंदिर है जिसका उल्लेख न केवल पुराणों और चीनी यात्री ह्वेनसांग के यात्रा वृत्तांत में है बल्कि इसका प्रमाणिक इतिहास मंदिर परिसर के शिलालेखों और गढ़वाल राज्य के प्राचीन पंचार शासकों के कई सदियों पुराने ताप्रभ पत्रों में भी दर्ज है। इटी एटकिसन ने तो

नगराचे करोड़ों सनातन धर्माविद्यायें की आस्था का प्रतीक भव्यतमंदिर के रूपमें आकार ले चुका है और अब दर्शनाथ द्वारा खुलने के लिए 22 जनवरी की प्रतीक्षा की जा रही है। लेकिन करोड़ों धर्मावलभियों में से शायद कुछ ही को पता होया कि अपेक्ष्या के अलावा उत्तर भारत का पहला और प्राचीनतम राम मंदिर उत्तराखण्ड के टिहरीजिले के देवप्रयाग में है। भारत की सबसे पवित्र नदी गंगा के उद्गम पर बना यह रघुनाथ मंदिर जम्मू के डोगरा शासकों द्वारा निर्मित रघुनाथ मंदिर से भी कई सदियों पुराना है। यह ऐसा मंदिर है जिसका उल्लेख न केवल पुराणों और चीनी यात्री हनसांग के यात्रा वृत्तांत में है बल्कि इसका प्रमाणिक इतिहास मंदिर परिसर के शिलालेखों और गढ़वाल राज्य के प्राचीन पंचार शासकों के कई सदियों पुराने ताप्र पत्रों में भी दर्ज है। इटी एटकिंसन ने तो हिमालयन गजेटियर में अल्मोड़ा में भी रामचन्द्र मंदिर का उल्लेख किया है। लेकिन बिढ़म्बना यह कि पौराणिक काल के इन राम मंदिरों का नामलेवा भी देवप्रयाग वासियों के अलावा कोई नहीं मिलता है।

रघुनाथ मंदिर से ही निलती है पतित पावनी गंगा

मध्य हिमालय की कई पवित्र धाराओं से बनी अलकनन्दा एवं भागीरथी नदियों के संगम से भारत की सबसे पवित्र नदी गंगा का उद्गम होता है। इसी पवित्र स्थल पर एक छोटा सा ऐतिहासिक और पौराणिक नगर है जो कि अपने धार्मिक महत्व के कारण देवप्रयाग के नाम से जाना जाता है। गंगा के उद्गम और रघुनाथ मंदिर के कारण धार्मिक दृष्टि से यह प्रयाग (संगम) अपने नाम के अनुकूल उत्तराखण्ड के पंच प्रयागों में सबसे महत्वपूर्ण माना जाता है। यह स्थान देश के चार सर्वोच्च धारों में से एक बदरीनाथ धाम और भारत तथा नेपाल में भगवान शिव के द्वादश ज्येतेलिंगों में से एक केदारनाथ धाम के यात्रा मार्ग पर ऋषिकेश से 73 किमी दूर और समुद्रपतल से लगभग 830 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है। फिर भी इस पवित्रतम रघुनाथ मंदिर को अपने स्वर्णिम अतीत के लिये राजनीतिक संरक्षण की जरूरत पड़ रही है। इतिहास जनशृतियों में नहीं शिलालेखों, पुराणों और ताप्र पत्रों में प्रायः मंदिरों का इतिहास जनशृतियों पर आधारित होता है और उन मंदिरों की सिद्धि रिद्धि एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी तक जनशृतियों के आधार पर चलती है। लेकिन

पूराण, कूर्म पुराण में संवत् 1512 या नरेश जगतपाल भारती कृष्ण भट्ट गढ़वाल के प्रसिद्ध यशवन्त सिंह कठुना उत्तर भारत के विं 200 साल से कम महाराजा गुलाब राघवीर सिंह ने 18 गढ़वाल के इतिहास ऐसा माना जाता है कि शताब्दी के द्वैरामन गढ़वाल राज्य के पंचार वंश के 3-मानशाह द्वारा दावताया गया है जो माना जाता है। माना इसी वंश के 42वें गण घंटे का उल्लेख 1664 के मंदिर द्वे से पता चलता है जिसन था। राजा इस क्षेत्र पर शासन समाप्त कर लिया था। मंदिर द्वे लिपि में 19 लोगों की प्रसादित ली थी समाधि ली थी।

ब्राह्मण हत्या राम ने की त

माना जाता है कि कनकपाल के पुरुष शंकर ने काष्ठ व करवाया था। गुरु आठवीं सदी के परिवर्तित होने के

૬૩

दुनिया स

आप द

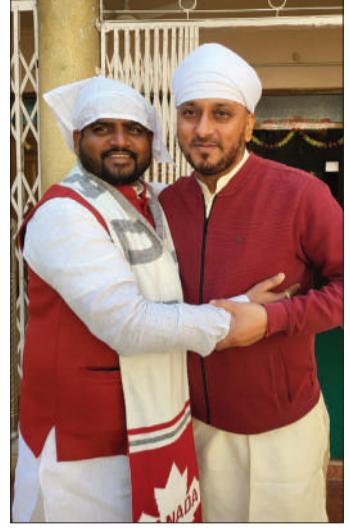
ગંગારાયા

के बीच राजनीतिक स्थिरता लाने की चुनौती
बीते रविवार यानी सात जनवरी को बांग्लादेश में संसदीय

नेतृत्व व

चुनाव के लिए मतदान हुआ, जिसमें शेख हसीना के बाली अवामी लीग एक बार पिंजर जियही हुई है। चुनावी नीति जैसे उद तक उम्मीद के मुताबिक रहे और सत्तारूढ़ दल ने संसद में दो बहुमत हासिल किया। मुख्य विपक्षी पार्टी बांग्लादेश नेशनलिस्ट्स बीएनपी), जिसने चुनाव का बहिष्कार किया था, अपना विरोध बने की योजना बना रही है। हालांकि, हसीना विपक्ष की योजनाओं में नहीं हैं और कहती है कि उनकी जिम्मेदारी बांग्लादेश के लिए नहीं है, न कि विपक्षी पार्टी बीएनपी के प्रति, जो उनके अनुसार, गुंडों की भूमिका के लिए भारत की ओर से आया है। उन्होंने बांग्लादेश का करीबी साझेदार होने के लिए भारत की ओर से आयी भूमिका की बांग्लादेश के चुनावी नीति के आंकड़े बताते हैं कि में मात्र 40 प्रतिशत मतदाताओं ने ही भागीदारी की, जबकि विपक्ष पर भी भरोसा नहीं है। जिन 61 सीटों पर निर्दलीय उम्मीदवारों ने सिल की है, उन्हें भी अवामी लीग का ही छद्म उम्मीदवार बताया जाता है। जातीय पार्टी को सिर्फ 11 सीटों पर जीत मिली है। मुख्य विपक्ष एनपी के नेताओं ने कहा कि उनकी पार्टी मंगलवार से शान्तिपूर्वक वरोध अंदोलन को तेज करने की योजना बना रही है। बीएनपी ने वापक को 'फर्जी' बताया है। बांग्लादेश के चुनाव आयोग के अनुसार 1,500 से अधिक मतदान केंद्रों पर मतदान हुआ, जिनमें 27 राजनीतिक पर्यवेक्षकों समेत 100 से अधिक पर्यवेक्षकों ने लड़ रहे थे। भारत के तीन पर्यवेक्षकों समेत 100 से अधिक पर्यवेक्षक बांग्लादेश के चुनाव की निगरानी कर रहे थे। मतदान के कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए 7.5 लाख से अधिक कमियों ने तो की गई थी। विश्लेषकों का मानना है कि शेख हसीना की सत्ता भी भारत के लिए फायदमंद है, क्योंकि उनका रुख हमेशा से भारत के लिए रहा है, जबकि बीएनपी के शासन के दौरान भारत के विवादियों को बहाने सुरक्षित पनाह मिलती रही है और बीएनपी के अन्तर विशेषी रहा है। बांग्लादेश का राजनीतिक परिदृश्य शेष और खालिदा जिया के बीच तीव्र प्रतिवृद्धिता के लिए जाना जाता है जिसी बांग्लादेश के संस्थापक शेख मुजीबुर्रहमान की बेटी हैं। खालिदा जिया बांग्लादेश के पूर्व तानाशाह शासक जिया उल्लास की विधवा है। इस राजनीतिक परिदृश्य में अचानक लोगों का नोबेल विजेता अर्थास्ती मुहम्मद यूनुस की ओर चला गया, जिन्होंने बांग्लादेश की एक श्रम अदालत ने छह महीने जेल की सजाकी दी। हालांकि इस फैसले के खिलाफ यूनुस को ऊपरी अदालत में करने की इजाजत दी गई है, जबकि कुछ लोगों का मानना है कि उन का यह फैसला नोबेल विजेता मुहम्मद यूनुस के खिलाफ तक बदले की कार्रवाई का हिस्सा है। हालांकि अवामी लीग ने इसका विवाद किया है। मुहम्मद यूनुस बांग्लादेश में ग्रामीण

चलते चलते एक नजर
सादगी के मिसाल ये प्रीतम सिंह
नामधारी : अविनाश देव



मेदिनीनगर (प्रभात मंत्र संचादनदाता) : पलामू जिले के प्रतिष्ठित व्यवसाह सेना सिंह नामधारी के पिता स्वर्गीय प्रीतम सिंह नामधारी के पुण्यतिथि के मौके पर संत मरियम आवासीय विद्यालय के डॉक्टरटट्टर अविनाश देव कार्यक्रम में शामिल हुए। उन्होंने नामधारी गुरुद्वारा में माथा टेका और नमन किया। इसके बाद लगर छाक। सोनू सिंह नामधारी से मिलकर इस गम के दिन को प्रीतम सिंह के नाम को लादान बनाया। प्रीतम सिंह नामधारी नेक इंसान थे उन्होंने अपना पूरा जीवन सदाई से जिया उन्होंने कहा कि उनके व्यक्तिगत और कृतित्व से लोगों को सोख लेने चाहिए समाज में आज वैसे लोगों की जरूरत है।

गुरुद्वारानी योगी ने अयोध्या के लात चौक से किया सफाई अभियान का आगाज



अयोध्या : उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को बूद्ध सप्ताह अभियान की शुरुआत की। अयोध्या के नयावाट स्थित लात चौक से शुरू हुआ यह सप्ताह अभियान 21 जनवरी तक चलता रहेगा। इस दौरान मुख्यमंत्री योगी अदित्यनाथ ने खुद झाड़ लगाकर जन-जन को सफाई में खुद की भागीदारी तय करने का संदेश दिया। इस दौरान यहां श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र के सामाजिक चम्पत राय, सांसद लल्ह सिंह, मेरांग गिरिशराम विठ्ठली भी मौजूद रहे। उड़ेखनीय है कि गद शर्मा अभियान अगले सात दिनों तक लात राया और अयोध्या की हर गली चम्पत दी जाएगी। हालांकि अयोध्या की सफाई वहले से ही शुरू है, बावजूद इस अभियान से अयोध्या की सफाई को गति मिलेगी। जात्य हो कि मुख्यमंत्री योगी 22 जनवरी को होने वाले भगवान श्रीरामलला की प्राण प्रतिष्ठा की तैयारी की समीक्षा भी करेंगे।

सहोवट महादेव मंदिर में भोले बाबा का 22 को होगा इत्रानिष्ठ

रांची : जेसीआई की नई टीम ने लिया शपथ

प्रभात मंत्र संचादनदाता

रांची : मकर संक्रान्ति के अवसर पर राजनीती रांची के हर चौक-चौराहे पर बाजार सज चुका है। रांची के कोकर, लालनुर, बरियांग, हरमू, किशोरगंज, डरिला, हिनू, शहू रोड, बूटी मोड़, कांके चौक पर तिलकूट की बाजार की चौपाई में खुद की भागीदारी तय करने का संदेश दिया। इस दौरान यहां श्रीराम के महामंत्री चम्पत राय, सांसद लल्ह सिंह, मेरांग गिरिशराम विठ्ठली भी मौजूद रहे। उड़ेखनीय है कि गद शर्मा अभियान अगले सात दिनों तक लात राया और अयोध्या की हर गली चम्पत दी जाएगी। हालांकि अयोध्या की सफाई वहले से ही शुरू है, बावजूद इस अभियान से अयोध्या की सफाई को गति मिलेगी। जात्य हो कि मुख्यमंत्री योगी 22 जनवरी को होने वाले भगवान श्रीरामलला की प्राण प्रतिष्ठा की तैयारी की तैयारी की समीक्षा भी करेंगे।



जेसी विक्रम चौधरी एवं उनकी नई टीम को बधाई दी।
नई टीम इस प्रकार है-

सचिव- जेसी मयंक अग्रवाल उपाध्यक्ष- जेसी निशांत मोदी, जेसी पियूष केडिया, जेसी तरुण अग्रवाल, जेसी साकेत अग्रवाल, जेसी अधिकारी कुमार जैन, जेसी रवि आनंद। कोषाध्यक्ष- जेसी नववर बाजारी, जेसी रोहित दयानी, जेसी संदीप खेमका, कौशल मुरारा। प्रवक्ता- जेसी आदिय जालान, जेसी उषम पुर्णिया एवं जेसी वैष्णव जैन।

अमन सिंधानिया, जेसी अंकित अग्रवाल, जेसी अंकित मोदी, जेसी अनिषेष निखिल, जेसी अनुभव कुमार अग्रवाल, जेसी दीपक कुमार पटेल, जेसी मनदीप सिंह, जेसी मोहित बागला, जेसी निखिल मोदी, जेसी प्रीतीन कुमार अग्रवाल, जेसी राहुल टिट्टरेवाल, जेसी रौनक टेकरेवाल, जेसी रिषभ जैन, जेसी रोहित दयानी, जेसी संदीप खेमका, कौशल मुरारा। प्रवक्ता- जेसी आदिय जालान, जेसी उषम पुर्णिया एवं जेसी वैष्णव जैन।

रांची के ओंकारेश्वर धाम मंदिर में प्राण-प्रतिष्ठा 22 जनवरी को

रांची : राजधानी के बूटी मोड़ के पास विकेणपीस विश्व श्री ओंकारेश्वर धाम मंदिर में भगवान शंकर अन्य देवी-देवताओं की मूर्तियों की प्राण-प्रतिष्ठा 22 जनवरी को होगी। इसके लिए मंदिर परिसर में 20 से 22 जनवरी तक प्राण-प्रतिष्ठा समारोह का आयोजन होगा। प्राण प्रतिष्ठा अयोजन समिति के अध्यक्ष कमलेश तिवारी ने रविवार को कहा कि 20 जनवरी को शामायात्रा निकालकर कलश जरबारी कार्यक्रम होगा। इसके बाद तीनों देवी के बैठक में पुरुष विश्व में लायंस कलब का परचम लहरा रहा है। उनकी नेक सोच और उनके नेक इश्वरों को हम सब सलाम करते हैं और उनके बताए हुए मार्गदर्शन पर चलकर मानवता कि सेवा में समर्पित होंगे। लायंस कलब ऑफ गढ़वा विश्व 1986 से लगातार सेवा कार्यों में समर्पित है। मौके पर लायंस विश्व के विभिन्न पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थिति के बीच कलबों के चिकित्सकों के द्वारा दी गयी।



जन्मदिन के दुसरे दिन रविवार को कलब कालायां में गोद लिये हुए दस टीवी मरीजों के बीच गुड़ फौर हंगर के तहत सभी मरीजों को पौष्टिक आहार दिया गया। साथ ही उन्हें अपने और अपने परिवार को टीवी रोग से कैसे बचाये इसकी जानकारी कलब के चिकित्सकों के द्वारा दी गयी। अयोध्या ने बताया कि मेलिन जॉन्स ने सैकड़ों साल पहले जिस सोच और जन्मदिन के कार्यक्रम में केक काटा गया।

इंटरनेशनल की स्थापना की थी आज सेवा के क्षेत्र में पुरुष विश्व में लायंस कलब का परचम लहरा रहा है। उनकी नेक सोच और उनके नेक इश्वरों को हम सब सलाम करते हैं और उनके बताए हुए मार्गदर्शन पर चलकर मानवता कि सेवा में समर्पित होंगे। लायंस कलब ऑफ गढ़वा विश्व 1986 से लगातार सेवा कार्यों में समर्पित है। मौके पर लायंस विश्व के विभिन्न पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थिति के बीच कलबों के चिकित्सकों के द्वारा दी गयी।

अयोध्या ने बताया कि मेलिन जॉन्स ने सैकड़ों साल पहले जिस सोच और जन्मदिन के कार्यक्रम में केक काटा गया।

जवाहर नवोदय विद्यालय जूनियर वर्ग में बना चौपियन

प्रभात मंत्र संचादनदाता



गढ़वा : जिला पब्लिक स्कूल समन्वय समिति के तत्वावधान में आयोजित अंतर स्कूल क्रिकेट प्रतियोगिता के जूनियर वर्ग के फाईनल में जवाहर नवोदय विद्यालय ने बीपी डीपीवी स्कूल को पांच विकेट से हराकर चौपियन बना। विजेता टीम ने इस विजय के साथ दुसरी बार रामानंद सिंह स्मृति कप प्राप्त किया। गोविंद हाई स्कूल के मैदान में बीपी डीपीवी की टीम ने टॉप 20, अंकित के 11 और जेपी के 20 दसरे वर्षों के सहयोग से 90 रनों का स्कोर खोड़ किया। जवाहर

लक्ष्य को पा लिया। इसी के साथ जवाहर नवोदय विद्यालय की टीम ने लगार दुसरी बार रामानंद सिंह स्मृति कप प्राप्त किया। गोविंद हाई स्कूल के मैदान में बीपी डीपीवी का गोला रामानंद सिंह स्मृति कप का पुरस्कार जवाहर नवोदय विद्यालय के मैदान को पुरस्कार के बीच बैठा। जवाहर नवोदय विद्यालय के अधिकारी की शुभानी सिंह, श्रेष्ठ गेंदबाज शार्ति निवास की शूलिक कुमारी, श्रेष्ठ बलेचंपा की सुहानी सिंह, श्रेष्ठ गेंदबाज शार्ति निवास की शूलिक कुमारी और दोस्ती में बीपी डीपीवी की शुभानी सिंह ने उनके उपर उपरांत दिलचस्पी दिलाई। इस अवसर पर सांसद संजय सेठ से जिया उन्होंने कहा कि उनके बच्चों की दुनिया और दोस्ती में बीपी डीपीवी की शुभानी सिंह को आज दिलचस्पी दिलाया। इस प्रतियोगिता के बीच बच्चों की दुनिया और दोस्ती में बीपी डीपीवी की शुभानी सिंह को आज दिलचस्पी दिलाया।

द सीरीज बीपीडीएवी के उक्तक, श्रेष्ठ बलेचंपा बीपीडीएवी के नैतिक निवासी गेंदबाज साउथ बाइंट के सोएव रजा, बालिका वर्ग में मैन औफ द सीरीज जान निकेतन बलेचंपा की सुहानी सिंह, श्रेष्ठ गेंदबाज शार्ति निवास की शूलिक कुमारी, श्रेष्ठ बलेचंपा की स्मृति कुमारी और दोस्ती में बीपी डीपीवी की शुभानी सिंह को आज दिलचस्पी दिलाया। इस प्रतियोगिता के बीच बच्चों की दुनिया और दोस्ती में बीपी डीपीवी की शुभानी सिंह को आज दिलचस्पी दिलाया।

द सीरीज

प्रभात मंत्र संचादनदाता

रांची : रांची के सांसद संजय सेठ की ओर आपने एसे रेविवर को मकर संक्रान्ति के अवसर पर एक बच्चे से भवितव्य नमों परतंग उत्सव का आयोजन किया गया। परतंग उत्सव में बच्चों संभाला में बच्चे परतंग के बीच उत्सव का आयोजन किया गया। उत्सव का आयोजन दिलचस्पी से लिया गया। इस अवसर पर सांसद संजय सेठ ने उनके बीच बच्चों की दुनिया और दोस्ती में बीपी डीपीवी की शुभानी सिंह को आज दिलचस्पी दिलाया। इस प्रतियोगिता के बीच बच्चों की दुनिया और दोस्ती में बीपी डीपीवी की शुभानी सिंह को आज दिलचस्पी दिलाया।

प्रभात मंत्र संचादनदाता

गढ़वा : एमआईएम पार्टी के गढ़वा रंका विधानसभा के पुर्व प्रत्याशी डॉर्टिलीट के गणकपन्हा है। एमआईएम खाली नामों में बीपी डीपीवी के गणक